'घायल बदमाश आकाश ने फिल्म डायरेक्टर रोहित शेट्टी के घर फायरिंग की सुपारी ली थी'

श्रीगंगानगर में आरजू बिश्नोई के कहने पर गैंगस्टर और बिजनेसमैन को निशाना बनाने आया था

- 'आरोपी आकाश जो कि लॉरेंस बिश्नोई गैंग का एक्टिव सदस्य है, जो गैंगस्टर आरजू बिश्नोई के डायरेक्शन में काम करता है'
- पुलिस ने साधुवाली चेक पोस्ट पर नाकाबंदी की और बदमाश को रोका, फायरिंग के बाद पुलिस की जवाबी कार्रवाई में आकाश घायल हो गया
- पुलिस का कहना है कि आकाश एक प्रोफेशनल शूटर है, जो रेकी के बाद बड़ी वारदात और कॉन्ट्रैक्ट किलिंग जैसी घटनाओं को अंजाम देता है

श्रीगंगानगर, (निसं)। मुठभेड़ में घायल बदमाश ने चौंकाने वाला खुलासा किया है। आरोपी आकाश (32) लॉरेंस बिश्नोई गैंग का एक्टिव सदस्य है, जो गैंगस्टर आरजू बिश्नोई के डायरेक्शन में काम करता है। आईजी ओमप्रकाश ने पुलिस लाइन में प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आरोपी सोशल मीडिया के जरिए गैंगस्टर्स के कॉन्टैक्ट में रहता था। राजस्थान, उत्तर प्रदेश, पंजाब समेत कई राज्यों में वारदात कर चुका है।

एसपी हरिशंकर ने बताया कि शुरुआती जांच में सामने आया है कि आकाश ने अपने साथी शिवा गुर्जर के साथ मिलकर फिल्म डायरेक्टर रोहित शेट्टी के मुंबई स्थित घर के बाहर फायरिंग करने की सुपारी ली थी। विदेश में बैठे आरजू बिश्नोई ने आकाश को यह टास्क सौंपा था। दोनों आरोपी सोशल मीडिया के जरिए आरजू के संपर्क में थे।

जानकारी के अनुसार रात करीब आठ बजे साधुवाली चेक पोस्ट पर पंजाब की तरफ से बिना नंबर प्लेट वाली बाइक पर आ रहे शूटर आकाश ने पुलिस पर तीन राउंड फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली बदमाश के पैर के आर-पार हो गई। एसपी ने बताया कि घायल आरोपी आकाश (32) पुत्र मुन्नालाल, आगरा (उत्तरप्रदेश) लॉरेंस गैंग का सदस्य है। वह गैंगस्टर आरजू बिश्नोई के डायरेक्शन में वारदात को अंजाम देता है। उसका काम रेकी करना और फायरिंग करना है। राजस्थान के हनुमानगढ़ समेत कई जिलों के अलावा, उत्तर प्रदेश, पंजाब समेत कई राज्यों में उसके खिलाफ अपराधिक मामले दर्ज हैं।

पुलिस का कहना है कि आकाश एक प्रोफेशनल शूटर है, जो रेकी के बाद बड़ी वारदात और कॉन्ट्रैक्ट किलिंग जैसी घटनाओं को अंजाम देता है। श्रीगंगानगर में वह आरजू बिश्नोई के कहने पर एक गैंगस्टर और एक बिजनेसमैन को निशाना बनाने आया था। पुलिस को भनक लगते ही साधुवाली चेक पोस्ट पर नाकाबंदी की गई और बदमाश को रोका गया। फायरिंग के बाद पुलिस की जवाबी कार्रवाई में आकाश घायल हो गया। फिलहाल उसका सरकारी हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है।

गौरतलब है कि फिल्म निर्देशक रोहित शेट्टी के मुंबई स्थित घर के बाहर 31 जनवरी की देर रात बदमाशों ने फायरिंग की थी, जिसकी जिम्मेदारी लॉरेंस ग्रुप के आरजू बिश्नोई गैंग ने ली थी। कोतवाली थाना पुलिस ने 23 मार्च को जयपुर सेंट्रल जेल से शिवा गुर्जर (20) निवासी आगरा (उत्तरप्रदेश) को प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार किया था। शिवा गुर्जर पर भी रेकी और हथियार सप्लाई करने के मामले दर्ज है। दोनों आरोपी अच्छे दोस्त हैं और आरजू बिश्नोई के कहने पर ही वारदातों को अंजाम देते हैं। जेल में बंद लॉरेंस बिश्नोई इन दोनों को टारगेट्स देता है। पकड़े जाने से पहले आकाश ने हरियाणा के सिरसा, हनुमानगढ़ के भादरा और गोगामेडी इलाकों में भी गैंगस्टरों की रेकी की थी। पुलिस आकाश और शिवा से पूछताछ कर रही है।

अलवर के रामगढ़ में प्रस्तावित रेलवे ओवरब्रिज निर्माण का विरोध

रामगढ़ बचाओ संघर्ष समिति की बैठक में प्रस्तावित रेलवे ओवरब्रिज के निर्माण का विरोध किया गया।

- रामगढ़ संघर्ष समिति ने कहा कि पुल बनने से दुकानदारों और लोगों की आजीविका पर प्रभाव पड़ेगा
- व्यापारियों और स्थानीय निवासियों ने रेलवे ओवरब्रिज के बजाय अंडरपास निर्माण की मांग की

अलवर, (निसं)। रामगढ़ बचाओ संघर्ष समिति ने रविवार को रामगढ़ कस्बे के बस स्टैंड स्थित यादव समाज मंदिर में एक बैठक आयोजित की। इसमें नगर पालिका क्षेत्र के व्यापारी, किसान और दुकानदार शामिल हुए। बैठक में नेशनल हाइवे 248 पर प्रस्तावित रेलवे ओवरब्रिज के निर्माण का विरोध किया गया और बायपास की मांग उठाई गई।

समिति ने नेशनल हाइवे 248 पर प्रस्तावित रेलवे ओवरब्रिज निर्माण का कड़ा विरोध किया। सदस्यों का तर्क है कि ओवरब्रिज बनने से हाइवे के किनारे स्थित कई दुकानें और मकान प्रभावित होंगे, जिससे स्थानीय व्यापार और लोगों की आजीविका पर सीधा नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

हाईकोर्ट एडवोकेट संदेश खंडेलवाल ने बैठक में बताया कि नेशनल हाइवे का विस्तार कर इसे 6 लेन बनाने की योजना है। रामनगर से निवाली तक सड़क के दोनों ओर चिन्हांकन किया जा चुका है। उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्ग अधिनियम का हवाला देते हुए कहा कि केंद्र बिंदु से लगभग 75 मीटर तक भूमि अधिग्रहण का प्रावधान लागू हो सकता है, जिससे बड़ी संख्या में लोग प्रभावित होंगे। व्यापारियों और स्थानीय निवासियों ने सर्वसम्मति से मांग की कि रामगढ़ में रेलवे ओवरब्रिज के बजाय अंडरपास का निर्माण किया जाए। इसका उद्देश्य बाजार और रिहायशी क्षेत्रों को नुकसान से बचाना है। इसके अतिरिक्त, कस्बे के बाहर से बायपास रोड निकालने की मांग भी प्रमुखता से उठाई गई, ताकि भारी वाहनों का दबाव कम हो और शहर का सुनियोजित विकास हो सके।

समिति ने तर्क दिया कि अगर पहले ओवरब्रिज पर करोड़ों रुपए खर्च किए जाते हैं, तो भविष्य में बायपास का निर्माण संभव नहीं हो पाएगा, इसलिए दीर्घकालिक समाधान के रूप में बायपास और अंडरपास को ही बेहतर विकल्प माना गया। समिति ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि इन मांगों को प्रशासन और सरकार के समक्ष मजबूती से प्रस्तुत किया जाएगा, ताकि रामगढ़ कस्बे को संभावित नुकसान से बचाया जा सके। बैठक में शमशेर सिंह, रमेश चंद्र, परमजीत सिंह, मनीष खंडेलवाल, मनोज सतीजा, योगेश जैन, सुनील सोनी, सेठु गुप्ता सहित कई प्रमुख नागरिक उपस्थित थे।

भांजे को बचाने तालाब में कूदे मामा की मौत

तालाब में डूबे भांजे का अब तक कोई सुराग नहीं लग पाया है

- गांव से करीब आधा किमी दूर तालाब पर हादसा हुआ

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के मांडल थाना क्षेत्र के समेलिया गांव में रविवार को एक ऐसी हृदय विदारक घटना घटी, जिसने पूरे क्षेत्र को शोक के सागर में डुबो दिया। अपने ननिहाल आए एक 10 वर्षीय मासूम को डूबता देख, उसे बचाने के लिए तालाब में कूदे मामा की मौत हो गई, जबकि भांजे का अब तक कोई सुराग नहीं लग पाया है।

जानकारी के अनुसार दरीबा निवासी कैलाश बिश्नोई का 10 वर्षीय बेटा भैरूलाल इन दिनों अपने ननिहाल समेलिया आया हुआ था। रविवार की दोपहर खुशियों भरी थी, जब भैरूलाल अपने 25 वर्षीय मामा डालचंद पुत्र भगवान लाल बिश्नोई के साथ गांव से करीब आधा किलोमीटर दूर स्थित तालाब पर नहाने गया। प्रत्यक्षदर्शियों और पुलिस के अनुसार, दोनों ने किनारे पर कपड़े उतारे और पानी में उतरे। इसी दौरान मासूम भैरूलाल अचानक गहरे पानी की ओर चला गया और डूबने लगा। अपने भांजे को मौत के मुंह में जाते देख मामा डालचंद ने बिना अपनी जान की परवाह किए उसे बचाने के लिए गहरे पानी में छलांग लगा दी। हादसे की खबर मिलते ही समेलिया गांव में चीख-पुकार मच गई। बदहवास ग्रामीण और मांडल थाने से सब-इंस्पेक्टर रवींद्र सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर पहुंची। गोताखोरों ने कड़ी मशक्कत के बाद डालचंद का शव तो निकाल लिया, लेकिन मासूम भैरूलाल अब भी लापता है। पुलिस और स्थानीय गोताखोर देर शाम तक रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटे रहे।

मूक-बधिर युवक से रिश्ता तय, युवती पहले से दो बार शादीशुदा निकली

सच्चाई उजागर होते ही दुल्हन और परिवार फरार, पीड़ित परिवार ने थाने में न्याय की गुहार लगाई

- बारातियों और दूल्हे के परिजनों ने मौके पर मौजूद मुख्य बिचौलिया महिला और उसके एक रिश्तेदार को पुलिस के हवाले कर दिया

श्रीगंगानगर, (निसं)। सूरतगढ़ से अबोहर पहुंची एक बारात उस समय सदमे में डूब गई, जब फेरों से ठीक पहले दुल्हन की सच्चाई सामने आ गई। जिस युवती को अविवाहित बताकर मूक-बधिर दूल्हे से रिश्ता तय किया गया था, वह पहले से दो बार शादीशुदा है और उसके एक बेटी भी है। सच्चाई उजागर होते ही दुल्हन और उसका परिवार मौके से फरार हो गया, जिसके बाद पीड़ित परिवार ने थाने पहुंच न्याय की गुहार लगाई है।

गुस्साए बारातियों और दूल्हे के परिजनों ने मौके पर मौजूद मुख्य बिचौलिया महिला और उसके एक रिश्तेदार को थाना सिटी पुलिस के हवाले कर दिया। पीड़ित परिवार का आरोप है कि यह एक संगठित गिरोह है, जो दिव्यांगों और भोले-भाले लोगों को निशाना बनाकर लुटेरी दुल्हन के माध्यम से मोटी रकम ऐंठता है। उधर, थाना सिटी पुलिस ने पीड़ित परिवार के बयान दर्ज कर लिए हैं और पकड़े गए बिचौलियों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस द्वारा फरार युवती और उसके परिजनों की तलाश की जा रही है। पीड़ित परिवार के अनुसार उनका बेटा मूक-बधिर है। इसी मजबूरी का फायदा उठाते हुए एक महिला बिचौलिया ने उनकी मुलाकात अबोहर की एक अन्य बिचौलिया महिला से करवाई। बिचौलियों ने अबोहर की एक युवती को कुंवारी बताकर रिश्ता तय करवाया। युवती के परिवार की आर्थिक स्थिति का हवाला देते हुए एक लाख रुपए की मांग की गई, जिसे पीड़ित परिवार ने मानवता के नाते स्वीकार कर लिया और 10,500 रुपए की राशि ऑनलाइन एडवांस के तौर पर भेज भी दी। तय कार्यक्रम के अनुसार 27 मार्च को बारात अबोहर पहुंची। लड़की पक्ष ने शर्त रखी कि फेरों से पहले तहसील में दस्तावेजी प्रक्रिया पूरी की जाएगी। जैसे ही तहसील परिसर में युवती के दस्तावेजों की जांच शुरू हुई तो सच सामने आने लगा। रिकॉर्ड से खुलासा हुआ कि युवती पहले ही दो शादियां कर चुकी है और उसकी एक संतान भी है। जैसे ही राज खुला, युवती और उसका परिवार तहसील परिसर से भाग निकला।

पांच सौ से अधिक बदमाश गिरफ्तार

- 1044 पुलिसकर्मी एवं अधिकारियों सहित सभी थानों की 220 पुलि टीमों ने 2010 स्थानों पर दबिश दी

उदयपुर, (कासं)। शहर पुलिस ने करीब 2010 स्थानों पर दबिश देकर 502 अपराधिक प्रवृत्ति के बदमाशों को गिरफ्तार किया।

जिला पुलिस अधीक्षक डॉ.अमृता दुहन के निर्देश पर शहर में अपराधियों की धरपकड़ एवं अपराधों की रोकथाम के लिए चलाए जा रहे अभियान के दौरान रविवार तड़के 1044 पुलिसकर्मी एवं अधिकारियों सहित सभी थानों की 220 पुलि टीमों ने 2010 स्थानों पर दबिश देकर 502 अपराधिक प्रवृत्ति के बदमाशों को गिरफ्तार किया, जिसमें 98 स्थाई वारंटी, 12 गिरफ्तारी वारंटों को निस्तारण किया। इस दौरान 408 अपराधियों को चैक किया तथा 15 प्रकरण दर्ज कर 10 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। जिनमें आबकारी के 10 प्रकरण दर्ज कर 6 बदमाश, आर्म्स एक्ट में 3 प्रकरण दर्ज कर तीन अभियुक्त, एनडीपीएस एक्ट में 1 प्रकरण दर्ज कर एक आरोपी, एक अन्य अधिनियत का प्रकरण दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार किया। इस पर एरिया डोमिनेंस की कार्रवाई के दौरान सूरजपोल क्षेत्र में 4 अवैध विद्युत कनेक्शन पाए जाने पर प्रकरण दर्ज किया।

अवैध मादक पदार्थ सहित अफीम के 1098 पौधे जब्त, दो गिरफ्तार

कोटा में केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो टीम ने दो अलग-अलग कार्रवाई की

कोटा, (निसं)। मादक पदार्थ विरोधी अभियान को जारी रखते हुए केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो टीम ने दो अलग-अलग कार्रवाई में अवैध मादक पदार्थ अफीम बरामद कर एक जने को गिरफ्तार किया। वहीं दूसरी ओर टीम ने कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थ अफीम के पौधे जब्त करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया। उक्त दोनें कार्रवाई केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो के उप नारकोटिक्स आयुक्त नरेश बुंदेल के निर्देशन में की गई। वहीं पुलिस ने मामले की जांच शुरु कर दी है।

उप नारकोटिक्स आयुक्त ने बताया कि मुखबीर से सूचना मिली कि एक व्यक्ति जिला चित्तौड़गढ़ के मड्डा सर्कल निम्बाहेड़ा-चित्तौड़गढ़ हाइवे के पास अपनी मोटरसाइकिल में छिपाकर अवैध मादक पदार्थ अफीम चित्तौड़गढ़ की ओर ले जा रहा है। सूचना पर केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सीबीएन) जयपुर सेल के अधिकारियों की एक टीम गठित की गई और टीम को मौके के लिये रवाना किया गया। गठित टीम ने कड़ी निगरानी के बाद, संदिग्ध मोटरसाइकिल और व्यक्ति की पहचान की गई और उसे निम्बाहेड़ा-चित्तौड़गढ़ हाइवे, तहसील निम्बाहेडा, जिला चित्तौड़गढ़ की सर्विस रोड पर मड्डा सर्कल के पास रोका गया। टीम ने मौके पर कार्रवाई करते हुए मोटरसाइकिल की तलाशी ली तो तलाशी के दौरान, बैग में रखे एक पॉलीथिन बैग में छिपाकर रखी गई 03.556 किलोग्राम अवैध अफीम बरामद हुई। टीम ने मौके पर अफीम और वाहन को जब्त कर लिया और एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है।

उप नारकोटिक्स आयुक्त नरेश बुंदेल ने बताया कि केन्द्रीय नारकोटिक्स (सीबीएन) भीलवाड़ा के अधिकारियों की टीम ने जिला भीलवाड़ा के गाँव झालरा में कार्रवाई करते हुए गैर-कानूनी तरीके से उगाए गए 1098 अफीम के पौधे जब्त किए। गांव झालरा में प्याज के खेतों की आड़ में गैर-कानूनी तरीके से अफीम के पौधे उगाए हुए थे।

प्रदेश में 970 महात्मा गांधी और 134 मॉडल स्कूलों में आर्ट्स-कॉमर्स विषय का विकल्प नहीं

नतीजा यह है कि हर साल 20 से 30 फीसदी मेधावी छात्र, जो आर्ट्स या कॉमर्स लेकर आगे पढ़ना चाहते हैं, उन्हें मजबूरी में अपना स्कूल छोड़ना पड़ रहा है

- माध्यमिक शिक्षा निदेशालय ने प्रदेश के सभी जिला शिक्षा अधिकारियों से कक्षा 9वीं से 12वीं तक के नामांकन की विस्तृत रिपोर्ट तलब की है

बीकानेर, (निसं)। अंग्रेजी माध्यम के प्रदेश के 970 महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय और 134 विवेकानंद मॉडल स्कूलों में 11वीं और 12वीं कक्षा में केवल विज्ञान संकाय ही संचालित है। नतीजा यह है कि हर साल 20 से 30 फीसदी मेधावी छात्र, जो आर्ट्स या कॉमर्स लेकर आगे बढ़ना चाहते हैं, उन्हें मजबूरी में अपना स्कूल छोड़ना पड़ रहा है।

शिक्षा विभाग ने पिछले सत्र में ही 970 महात्मा गांधी स्कूलों में विज्ञान संकाय के तहत फिजिक्स, केमिस्ट्री, मैथ्स और बायोलॉजी के पद स्वीकृत किए थे, लेकिन कला और वाणिज्य संकाय को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया। बीकानेर के श्रीडूंगरगढ़ स्थित राजकीय विवेकानंद मॉडल स्कूल 'उपनी' जैसे प्रदेश के 134 मॉडल स्कूलों की स्थिति भी यही है। अंग्रेजी माध्यम में आर्ट्स और कॉमर्स का विकल्प नहीं होने से इन स्कूलों में 11वीं-12वीं की निर्धारित सीटें भी नहीं भर पा रही हैं। जो छात्र विज्ञान नहीं पढ़ना चाहते, उनके पास केवल दो ही रास्ते बचते हैं कि या तो वे हिंदी माध्यम के सरकारी स्कूल में लौट जाएं या फिर मोटी फीस देकर निजी अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में दाखिला लें। इससे न केवल छात्रों का शैक्षणिक स्तर प्रभावित हो रहा है, बल्कि सरकारी स्कूलों के नामांकन पर भी बुरा असर पड़ रहा है।

माध्यमिक शिक्षा निदेशालय ने प्रदेश के सभी जिला शिक्षा अधिकारियों से कक्षा 9वीं से 12वीं तक के नामांकन की विस्तृत रिपोर्ट तलब की है। विभाग ने विशेष रूप से उन स्कूलों को चिन्हित करने को कहा है, जहां नामांकन 30 से कम है या बेहद न्यून है। बीकानेर सहित राज्य के 27 जिलों में चल रहे विवेकानंद मॉडल स्कूलों में छठी से 12वीं तक प्रत्येक कक्षा में लगभग 40 सीटें निर्धारित है। 11वीं 12वीं में केवल साइंस संकाय होने के कारण इन कक्षाओं में नामांकन भी घट रहा है। वहीं महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूल में 11वीं 12वीं में 60-60 सीटें निर्धारित है। बीकानेर के उपनी मॉडल स्कूल में 11वीं व 12 कक्षा में सीटें रिक्त हैं।

सरकार का विजन केवल विज्ञान तक सीमित नजर आता है। आज के दौर में सिविल सर्विसेज, क्लैट और सीए जैसे करियर के लिए छात्र आर्ट्स और कॉमर्स को प्राथमिकता दे रहे हैं। इंग्लिश मीडियम स्कूलों में इन विषयों का न होना यह दर्शाता है कि पॉलिसी बनाने वालों ने छात्रों की रुचि और करियर डायवर्सिटी का ध्यान नहीं रखा। यह खामी छात्रों की मुसीबत और स्कूल छोड़ने की बड़ी वजह बन रही है।

बूचारा बांध से निकलने वाली पावटा की 100 साल पुरानी नहर का अस्तित्व संकट में

- कभी 15 से अधिक गांवों के खेतों की प्यास बुझाने वाली और क्षेत्र की जीवनरेखा मानी जाती थी यह नहर
- अतिक्रमण बढ़ने से नहर अब कई स्थानों पर 50 फीट चौड़ाई से सिमटकर मात्र 10 फीट या उससे भी कम रह गई है

पावटा, (निसं)। बूचारा बांध से निकलने वाली पावटा की करीब 100 साल पुरानी ऐतिहासिक नहर आज अपनी पहचान खोने के कगार पर पहुंच गई है। कभी 15 से अधिक गांवों के खेतों की प्यास बुझाने वाली और क्षेत्र की जीवनरेखा मानी जाने वाली यह नहर अब गंदगी, अतिक्रमण और प्रशासनिक उदासीनता के कारण कचराघर में तब्दील हो चुकी है। नहर का मुख्य उद्देश्य किसानों को सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराना था, लेकिन वर्तमान में हालात यह हैं कि नहर के अधिकांश हिस्सों में प्लास्टिक, घरेलू कचरा और सड़ा-गला अपशिष्ट भरा पड़ा है। चारों ओर फैली दुर्गंध के कारण राहगीरों को नाक ढककर गुजरना पड़ रहा है। स्थानीय दुकानदार, निवासी और वाहन चालक रोजाना इस समस्या से परेशान हैं। स्थिति को और गंभीर बना रहा है आवारा पशुओं का जमावड़ा, जो नहर में पड़े कचरे में मुंह मारकर कचरे को फैलाकर संक्रमण का खतरा बढ़ा रहे हैं। बरसात के दौरान यही गंदगी सड़कर बीमारियों को जन्म देती है, जिससे आसपास के लोगों के स्वास्थ्य पर सीधा असर पड़ रहा है। वहीं नहर के पास ही विद्यालय और बस स्टैंड स्थित हैं, जहां से रोजाना सैकड़ों विद्यार्थी और यात्री गुजरते हैं। इसके बावजूद भी जिम्मेदार अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों की नजर इस गंभीर समस्या पर नहीं पड़ रही है।

गंदगी, अतिक्रमण और प्रशासनिक उदासीनता के कारण नहर कचराघर में तब्दील हो चुकी है।

जानकारों के अनुसार, यह नहर कभी सिंचाई और पेयजल व्यवस्था की मुख्य धुरी थी। समय के साथ देखरेख के अभाव में नहर पर अतिक्रमण बढ़ता गया और अब कई स्थानों पर यह 50 फीट चौड़ाई से सिमटकर मात्र 10 फीट या उससे भी कम रह गई है। कई जगह तो नहर का स्वरूप पूरी तरह नाली जैसा हो गया है। सरकार द्वारा नहरों के संरक्षण के लिए हर वर्ष करोड़ों रुपए का बजट स्वीकृत किया जाता है, लेकिन पावटा की इस नहर की स्थिति जमीनी हकीकत को उजागर करती है। स्थानीय निकायों की निगरानी की कमी के कारण लोग खुलेआम कचरा डाल रहे हैं, जिससे यह ऐतिहासिक धरोहर खत्म होने की कगार पर है।

सिंचाई विभाग के एईएन शैलेन्द्र चौधरी के अनुसार वर्ष 2025 में हुई स्लैक मीटिंग में नहर के सौंदर्यीकरण व सुधार कार्य के लिए 4.85 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए थे, लेकिन बजट के अभाव में अब तक प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति जारी नहीं हो पाई। इसी कारण नहर के सुधार कार्य ठप पड़े हुए हैं। यदि समय रहते नहर की सफाई, अतिक्रमण हटाने और पुनरुद्धार के लिए ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो जल्द ही यह ऐतिहासिक नहर सिर्फ कागजों और यादों तक सीमित रह जाएगी।

जेवर व नकदी चोरी, दो गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। शहर के नाई थाना पुलिस ने सूने मकान का ताला तोड़ कर जेवर व नकदी चोरी करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़ित प्रखिल राठौड़ पुत्र जगतसिंह राठौड़ निवासी अमृत श्रीनगर नोहरा ने पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया। उसने बताया कि 27 मार्च को मैं घर से बाहर गया था। वापस लौटा तो मकान का ताला टूटा हुआ एवं तलाशी ली तो चांदी की पायल व 10 हजार रूपये नकदी चुरा ले गए। मामले में प्रकरण दर्ज होने पर जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश ओझा, पुलिस उपाधीक्षक गोपाल चंदेल के सुपरविजन में नाई थानाधिकारी मुकेश सोनी के नेतृत्व में अनुसंधान अधिकारी दिनेश कुमार ने अनुसंधान में मिले साक्ष्यों के आधार पर आरोपी गोविंद नाथ उर्फ माजा पुत्र गोटूनाथ कालबेलिया निवासी इन्द्रा कॉलोनी गोवर्धन विलास तथा विनोद उर्फ बाखा पुत्र अमराजी कालबेलिया निवासी इन्द्रा कॉलोनी गोवर्धन विलास को गिरफ्तार किया। जिनसे पूछताछ की जा रही है।

दुकान में आग लगने से लाखों का सामान जला

- आग इतनी भीषण थी कि दुकान की छत गिर गई और लपटें आसपास की दुकानों की ओर बढ़ने लगी

बीकानेर, (निसं)। लूणकरणसर तहसील क्षेत्र में महाजन उप तहसील के अर्जुनसर गांव के मुख्य बाजार में रविवार को सुबह सात बजे एक दुकान में भीषण आग लग गई। आग की लपटें पास की दूसरी दुकानों तक पहुंची। आग की इस घटना में लाखों रुपए के नुकसान का अंदेशा जताया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार अर्जुनसर सरपंच सुमन गवारिया के पति पवन गवारिया की दुकान में अचानक आग लग गई। आग लगते ही बाजार में अफरा-तफरी मच गई और आसपास के दुकानदार व स्थानीय लोग मौके पर जुट गए। फायर ब्रिगेड के समय पर नहीं पहुंचने के कारण स्थानीय नागरिकों ने अपने स्तर पर ही आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार आग बुझाने के लिए ग्रामीणों को काफी संघर्ष करना पड़ा। आग अचानक भड़की और तेजी से फैलने लगी। सूचना मिलते ही स्थानीय ग्रामीण, सामाजिक कार्यकर्ता और किसान मौके पर पहुंचे। पानी के टैंकर और स्प्रे मशीनों (ढोल) के जरिए आग बुझाने का प्रयास किया गया, लेकिन आग इतनी भीषण थी कि दुकान की छत गिर गई और लपटें आसपास की दुकानों की ओर बढ़ने लगीं। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार इस आगजनी में करीब 10 से 15 लाख रुपए का नुकसान हुआ है। दुकान में रखा सामान पूरी तरह जलकर खाक हो गया।

घटना के दौरान क्षेत्र में फायर ब्रिगेड की अनुपलब्धता साफ नजर आई। बताया जा रहा है कि फायर ब्रिगेड करीब तीन घंटे की देरी से मौके पर पहुंची, तब तक स्थानीय लोग ही आग पर काफी हद तक काबू पा चुके थे। इस घटना के बाद महाजन व आसपास के क्षेत्रों में फायर ब्रिगेड की कमी को लेकर स्थानीय लोगों में नाराजगी है। लोगों का कहना है कि समय पर दमकल पहुंचती तो नुकसान को काफी हद तक कम किया जा सकता था।